up page 2_page 1 04/11/2024 08:25 PM Page 1

बैंकाक से लखनऊ में हो रही थी नकली गोल्ड फ्लैक सिगरेट की सप्लाई

तेजयुग न्यूज़

लखनऊ. अभी तक आपने एयरपोर्ट पर सोने की खेप पकडे जाने की खबर सुनते रहे होंगे, लेकिन लखनऊ एयरपोर्ट पर कस्टम की टीम ने नकली सिगरेट की एक बड़ी खेप पकड़ी है. बैंकाक से 16 लाख से अधिक कीमत की नकली गोल्ड फ्लैक की 97 हजार पैकेट को पकड़ा गया है. ताज्जुब की बात यह है कि भारत में बिकने वाली गोल्ड फ्लैक ब्रांड की नकली सिगरेट को बैंकाक से तस्करी कर लखनऊ लाया गया था. कस्टम की टीम ने तीन लोगों को हिरासत में भी लिया है.

जानकारी के मुताबिक फ्लाइट संख्या FD-146 से बैंकॉक से लखनऊ पहुंचे तीन यात्रियों से यह खेप पकड़ी गई है. तीनों ने बहुत ही चालाकी से सिगरेट को छिपाया था, लेकिन एयरपोर्ट पर स्कैनिंग के दौरान कस्टम की टीम ने नकली सिगरेट को ट्रेस कर उन्हें जब्त कर लिया. अब आगे की कार्रवाई की जा रही है. जानकारी के मुताबिक पकड़ा गया एक यात्री लखीमपुर खीरी का निवासी है, जबकि दो अन्य दिल्ली व केरल के रहने वाले हैं. कस्टम विभाग के मुताबिक ज्यादा मुनाफे की वजह से नकली सिगरेट की तस्करी बढ़ रही है.

विदेशों में नहीं होता गोल्ड फ्लैक ब्रांड का प्रोडक्शन

गौरतलब है कि आईटीसी इंडिया की गोल्ड फ्लैक ब्रांड की सिगरेट भारत में ही निर्मित होती है. लेकिन इसकी तस्करी विदेशों से हो रही है क्योंकि इसमें मुनाफा काफी होता है. इन सिगरेट में निम्न गुणवत्ता के तंबाकू का इस्तेमाल किया जाता है जिसकी वजह से इसकी लागत कम हो जाती है.

लखनऊ एयरपोर्ट पर कस्टम की टीम ने तीन यात्रियों के पास से नकली गोल्ड फ्लैक सिगरेट की बड़ी खेप पकड़ा है. तीनों यात्री बैंकाक से 97 हजार पैकेट नकली सिगरेट लेकर पहुंचे थे.

चेन्नई से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है

चेन्नई से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है. यहां मियां-बीवी ने अपनी 15 साल की घरेलू नौकरानी की हत्या कर दी. मोहम्मद निशाद और नासिया नामक इस दंपति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. साथ ही चार अन्य व्यक्तियों को भी हिरासत में लिया गया है. जांचकर्ताओं के अनुसार ये भयानक घटना चेन्नई के मेहता नगर के एक फ्लैट में हुई है. बताया जा रहा है कि मौत से पहले उसे कड़ी यातनाएं दी गई थी. पीड़िता को गर्म लोहे के तवे और सिगरेट से जलाया भी गया था.

काग्रेस झूठी गारंटी देती है

एक पेज का शेष .....

में लोगों ने तीसरी बार भाजपा सरकार बनाई और अभी एक महीना भी नहीं हुआ है. वहां के नौजवान डबल दिवाली मना रहे हैं क्योंकि सरकार ने आते ही बिना खर्ची बिना पर्ची 25000 लोगों को रोजगार दे दिया. जो वादा किया था उसको पूरा कर दिया.

पीएम मोदी ने कहा, आपने कुछ महीने पहले दिल्ली में लगातार तीसरी बार भाजपा-एनडीए सरकार बनाई. अब झारखंड में विधानसभा का चुनाव है, हम सभी को मिलकर यहां भाजपा-एनडीए के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार बनानी है. पीएम मोदी ने आगे कहा, भाजपा, झारखंड की सुविधा, सुरक्षा, स्थिरता व समृद्धि की गांरटी के साथ चुनावी मैदान में उतरी है. मैं झारखंड भाजपा को बहुत-बहुत बधाई देता हूं कि कल झारखंड भाजपा ने बहुत ही शानदार संकल्प पत्र जारी किया है. ये संकल्प पत्र रोटी-बेटी-माटी के सम्मान, सुरक्षा और समृद्धि के लिए समर्पित है.

पीएम मोदी ने कहा, झारखंड का एक और बहुत बड़ा दुश्मन है और वह है- परिवारवाद. JMM-कांग्रेस-RJD, ये तीनों दल घोर परिवारवादी हैं.ये लोग चाहते हैं कि सत्ता की चाबी केवल इन्हीं के परिवार के पास रहे. पीएम मोदी ने संकल्प पत्र का जिक्र करते हुए आगे कहा, माताओं, बहनों, बेटियों के कल्याण के लिए झारखंड भाजपा के संकल्प पत्र में अनेक संकल्प लिए गए हैं. 'गोगो दीदी योजना' के तहत हर महीने माताओं-बहनों को 2,100 रुपये दिए जाएंगे। गरीब परिवार की माताओं-बहनों को उज्ज्वला योजना के तहत पहले गैस कनेक्शन दिए गए, अब झारखंड में बनने जा रही भाजपा सरकार 500 रुपये में गैस सिलेंडर देगी इसके साथ अगले साल दीपावली और रक्षाबंधन पर दो मुफ्त सिलेंडर भी देगी.

पीएम मोदी ने कहा, इस समय छठ का उत्साह भी चारों तरफ दिख रहा है. मैं छठी मैया की उपासना करने वालों को अपनी शुभकामनाएं देता हूं. झारखंड में ये चुनाव ऐसे समय हो रहे हैं, जब पूरा देश 'विकसित भारत' के संकल्प को लेकर आगे बढ़ रहा है यानी आने वाले 25 वर्ष देश और झारखंड के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं. देश की आजादी के 100 वर्ष पूरे होंगे और झारखंड भी तब 50 वर्ष का होने वाला होगा.

बता दें कि गढ़वा जिले की दो विधानसभा सीटों के लिए पहले चरण में 13 नवंबर को मतदान होना है. भाजपा ने गढ़वा से सत्येंद्रनाथ तिवारी और भवनाथपुर से भानुप्रताप शाही को अपना उम्मीदवार बनाया है. पीएम मोदी दिल्ली से गया होते हुए गढ़वा पहुंचे थे.

अखिलेश यादव से लेकर मायावती की क्यों उड़ी नींद...

CM योगी आदित्यनाथ के एक बयान ने बिगाड़ दी यूपी की 'सियासीCM योगी आदित्यनाथ के एक बयान ने बिगाड़ दी यूपी की 'सियासी

तेजयुग न्यूज़

लखनऊ. उत्तर प्रदेश में 13 नवम्बर को होने वाले उपचुनाव को साल 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल के तौर पर देखा जा रहा है. लिहाजा इस जंग को जीतने के लिए सभी पार्टियों ने पूरी ताकत झोंक दी है. चुनाव के पहले बीजेपी और समाजवादी पार्टी के बीच पोस्टर वॉर अब चरम पर पहुंच गया है. सिर्फ लखनऊ ही नहीं अब पोस्टर वॉर की चिंगारी पीएम नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी तक पहुंच गई है.

सत्ताधीश, मठाधीश, बंटोगे, कटोगे, यूपी की सियासी डिक्शनरी के ये वो शब्द है, जो आजकल हर किसी की जुबान पर छाए हुए हैं. या यूं कह लें कि सूबे की सियासत ही इन्हीं शब्दों के इर्द गिर्द घूम रही है. लखनऊ की सरहद पार कर अब इन शब्दों की गूंज यूपी के दूसरे शहरों में सुनाई दे रही है. राजधानी के बाद अब काशी में भी पोस्टर वॉर छिड़ गया है.

अब एक पोस्टर वाराणसी के लंका क्षेत्र में लगाया गया है. पोस्टर के जरिए हिंदुओं को गोलबंद करने की कोशिश की गई है. पोस्टर में लिखे शब्दों पर गौर करिए. अगर हिंदू जाति में बंटते हैं, तो उनका भी हश्र बांग्लादेश के हिंदुओं जैसा होगा. मतलब साफ है, योगी आदित्यनाथ ने उपचुनाव के पहले हिंदुत्व की जो लकीर खींची, अब उसपर समाज का एक बड़ा तबका चलने के लिए तैयार है. इस पोस्टर को लगाने वाला शख्स खुद को BHU का छात्र नेता बता रहा है और भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता.अखिलेश मायावती भी खोज रहे काट

राजनीतिक जानकार बता रहे हैं, जैसे-जैसे उपचुनाव की तारीखें नजदीक आएंगी, पोस्टर वॉर और जुबानी जंग और तेज होगी. बीजेपी जहां हिंदुत्व के सहारे अपनी चुनावी नैया पार लगाना चाहती है तो दूसरी ओर अखिलेश यादव इस वॉर की काट खोजने में लगे हैं. उनकी कोशिश है कि मुख्यमंत्री के इस नारे की धार को किसी भी तरीके से कुंड किया जा सके. यही वजह है कि लगातार सपा दफ्तर के बाहर नए-नए पोस्टर लगाए जा रहे हैं. इतना ही नहीं पार्टी के सांसद, विधायक और प्रवक्ता भी लगातार इस नारे को को लेकर बयानबाजी कर रहे हैं. इतना ही नहीं अब तो मायावती भी इस नारे के खिलाफ नया नारा लेकर आ गई हैं. उन्होंने कहा कि बसपा से जुड़ेंगे तो आगे भी बढ़ेंगे और सुरक्षित भी रहेंगे.

चारों तरफ बस इसी नारे के चर्चे

दरअसल, कहा जा रहा है कि मुख्यमंत्री योगी के इस नारे का असर जमीन पर देखने को मिल रहा है. क्योंकि इन दिनों सोशल मीडिया से लेकर टीवी डिबेट में भी बस इसी नारे की चर्चा है. कहा जा रहा है कि अखिलेश यादव के पीडीए की काट इसी नारे में हैं. साथ ही लोकसभा चुनाव में सपा और कांग्रेस ने जो जाति जनगणना, आरक्षण और संविधान का मुद्दा उठाया था, उपचुनाव में इस नारे के कारगर साबित होने से नुकसान हो सकता है. हालांकि, समाजवादी पार्टी की तरफ से पीडीए को मजबूत और एकजुट रखने की कोशिश की जा रही है. सपा प्रवक्ता फकरुल हसन चांद ने वाराणसी में लगे पोस्टर पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जिस पार्टी का चाल चरित्र जैसा होता है, उसी राह पर उसके कार्यकर्ता भी होते हैं. बीजेपी ने नारा दिया बंटोगे तो कटोगे. अब उनके कार्यकर्ता भी इसी राह पर है.

उत्तर प्रदेश की 9 विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बंटोगे तो कटोगे के नारे से विपक्षी खेमे में भूचाल मचा हुआ है. लगातार इस नारे को लेकर नए पोस्टर सामने आ रहे हैं.

यूपी उपचुनाव में CM योगी आदित्यनाथ पश्चिम से शुरू करेंगे प्रचार

तेजयुग न्यूज़

लखनऊ. उत्तर प्रदेश के 9 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव में बीजेपी पूरी ताकत झोंकने जा रही. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ दोनों डिप्टी सीएम के साथ ही जिलोंके प्रभारी मंत्री और पदाधिकारियों को भी उपचुनाव वाली सीटों पर रात्रि विश्राम का निर्देश दिया गया है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद उपचुनाव में प्रचार की कमान संभालेंगे. मुख्यमंत्री पश्चिम यूपी से अपने प्रचार अभियान की शुरुआत करेंगे. तीन दिन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सभी 9 सीटों पर जनसभा कर बीजेपी के पक्ष में माहौल बनाएंगे.

जानकारी के मुताबिक 8, 9 और 11 नवंबर को सीएम योगी आदित्यनाथ की जनसभाएं होंगी. इसके साथ ही डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक भी जनसभाएं करेंगे. मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ 8 नवंबर को गाजियाबाद, कुंदरकी और मीरापुर में जनसभा को संबोधित करेंगे. 9 नवंबर को सीसामऊ, करहल और खैर में सीएम योगी की जनसभा होगी. 11 नवंबर को कटेहरी, फूलपुर और मझवां में सीएम योगी की जनसभा होनी है.

प्रभारी मंत्रियों को रात्रि प्रवास के निर्देश

इसके अलावा प्रभारी मंत्रियों को अपने-अपने प्रभार वाली सीटों पर प्रवास करने के निर्देश भी दिए गए हैं. यूपी बीजेपी ने भी पदाधिकारियों को सभी 9 सीटों पर उतारा है. फूलपुर सीट पर मंत्री राकेश सचान और मंत्री दयाशंकर सिंह प्रवास करेंगे. कटेहरी सीट पर मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, संजय निषाद और दयाशंकर मिश्र प्रचार करेंगे. कुंदरकी सीट पर जेपीएस राठौर, जसवंत सैनी और गुलाब देवी को जिम्मेदारी दी गई है. गाजियाबाद सीट पर सुनील शर्मा, बृजेश सिंह और कपिल देव अग्रवाल रात्रि प्रवास पर रहेंगे और प्रचार करेंगे. खैर सीट पर मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी प्रचार करेंगे. करहल सीट पर मंत्री जयवीर सिंह, योगेंद्र उपाध्याय और अजीत पाल प्रचार करेंगे. सीसामऊ सीट पर मंत्री सुरेश खन्ना और नितिन अग्रवाल प्रवास करेंगे.

सीसामऊ सीट पर विशेष योजना

बीजेपी ने कानपुर की सीसामऊ सीट पर विशेष योजना बनाई है. यहां अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारियों की भी तैनाती की गई है. मंझवा सीट पर मंत्री अनिल राजभर, आशीष पटेल, रविंद्र जायसवाल और रामकेश निषाद प्रचार करेंगे. मीरापुर सीट पर मंत्री अनिल कुमार, सोमेंद्र तोमर और केपी मलिक प्रचार करेंगे। बता दें कि यूपी में 13 नवंबर को उपचुनाव के लिए वोट डाले जाएंगे.

गढ़वाल के सबसे बड़े अस्पताल में बर्न ओपीडी सुविधा का अभाव

तेजयुग न्यूज़

श्रीनगर गढ़वालः दीपावली के दौरान आतिशबाजी के कारण जलने के मामले बढ़ने के बाद भी, बेस चिकित्सालय में बर्न ओपीडी न होने से लोगों को काफी परेशानी हो रही है. इस क्षेत्र के लोगों को जलने पर प्राथमिक उपचार के लिए भी दूर-दराज के अस्पतालों में जाना पड़ रहा है.

स्थानीय निवासी संजय फौजी ने बताया कि श्रीनगर बेस अस्पताल चमोली, रुद्रप्रयाग, पौड़ी और टिहरी जिलों के लोगों के लिए एकमात्र बड़ा अस्पताल है. लेकिन यहां बर्न ओपीडी और विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी के कारण लोगों को काफी मुश्किलें हो रही हैं. उन्होंने कहा, "दीपावली के दौरान तो जलने के मामले बढ़ ही जाते हैं, साथ ही जंगलों में लगने वाली आग से भी कई लोग झुलस जाते हैं. ऐसे में बर्न ओपीडी का होना बेहद जरूरी है."

अस्पताल प्रशासन का कहना

बेस अस्पताल के प्राचार्य डॉ. सीएमएस रावत ने कहा कि वे बर्न ओपीडी शुरू करने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं. उन्होंने कहा, "हम जानते हैं कि बर्न ओपीडी की जरूरत कितनी है और हम जल्द से जल्द इस सुविधा को शुरू करने की कोशिश कर रहे हैं."

क्या है समस्या

बर्न ओपीडी का अभावः श्रीनगर बेस अस्पताल में बर्न ओपीडी नहीं होने के कारण जलने के मरीजों को प्राथमिक उपचार के लिए भी दूर जाना पड़ता है.

विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमीः अस्पताल में बर्न के विशेषज्ञ डॉक्टर नहीं होने के कारण मरीजों को उचित इलाज नहीं मिल पाता है.

दूरस्थ क्षेत्रों से मरीजों का आनाः चमोली, रुद्रप्रयाग, पौड़ी और टिहरी जिलों के लोग इलाज के लिए श्रीनगर बेस अस्पताल आते हैं, लेकिन बर्न ओपीडी न होने के कारण उन्हें निराश होकर वापस लौटना पड़ता है.

क्या किया जाना चाहिए

बर्न ओपीडी शुरू करनाः अस्पताल प्रशासन को जल्द से जल्द बर्न ओपीडी शुरू करनी चाहिए.

विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्तिः अस्पताल में बर्न के विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति की जानी चाहिए.

जागरूकता अभियानः लोगों को जलने से बचाव के लिए जागरूक किया जाना चाहिए. श्रीनगर गढ़वाल में बर्न ओपीडी की आवश्यकता अत्यंत महसूस की जा रही है. अस्पताल प्रशासन को इस दिशा में शीघ्र कदम उठाने चाहिए ताकि लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें.

भयानक बस हादसे में 36 लोगों को गंवानी पड़ी जान,

दुर्घटना के बाद कैसे और किसे मिलता है इंश्योरेंस

तेजयुग न्यूज़

उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले में आज सुबह भयानक सड़क दुर्घटना होने से पूरे प्रदेश में शोक का माहौल है. अल्मोड़ा जिले के मार्चुला के पास 100 मीटर खाई में बस जा गिरी. बस किनाथ बरात से रामनगर की ओर जा रही थी. जानकारी के अनुसार बस में 63 यात्री सवार थे, जिसमें से 36 यात्रियों कि इस सड़क दुर्घटना में मौत हो गई. इसके अलावा 27 यात्री गंभीर रूप से घायल भी हुए, जिन्हें स्थानीय लोगों के साथ एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और पुलिस की टीम ने नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया है. इस सड़क दुर्घटना की वजह से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया है. आइए जानते हैं सड़क दुर्घटना का शिकार हो जाने पर इंश्योरेंस का पैसा कैसे मिलता है.

बस में ट्रैवल करने पर भी मिलता है इंश्योरेंस

दरअसल कोई भी यात्री अपने गंतव्य के लिए बस का टिकट लेता है, तो राज्य परिवहन विभाग की ओर से यात्रियों को इंश्योरेंस की सुविधा भी इसमें मिलती है. इस बारे में बात करते हुए अल्मोड़ा अनिता चंद ने बताया कि अगर कोई भी बस किसी हादसे का शिकार होती है, तो उसमें घायल और मृतकों के परिजनों को इंश्योरेंस के पैसे मिलते हैं. उत्तराखंड अल्मोड़ा जिले में हुए इस हादसे में जिन यात्रियों की मौत हुई है उन्हें भी इंश्योरेंस का पैसा दिया जाएगा. इसके अलावा जो भी घायल है उन्हें भी इंश्योरेंस का क्लेम मिलता है. इसके लिए राज्य सरकार या परिवहन विभाग के द्वारा जिन भी इंश्योरेंस कंपनियों से टाइप होता है. उनसे यह पैसा मिलता है.

आखिर किन लोगों को मिलता है इंश्योरेंस

यदि कोई भी बस में यात्रा कर रहा है, उनमे से सभी लोगों को इंश्योरेंस की सुविधा नहीं मिलती है. इंश्योरेंस की सुविधा सिर्फ उन्हीं यात्रियों को मिलती है. जिन्होंने यात्रा की टिकट ली होती है. जब वह बस की टिकट खरीदते हैं, तो उसी में इंश्योरेंस के पैसे भी इंक्लूड रहते हैं, जिस तरह से ट्रेन का टिकट बुक करते समय उसमें आपको इंश्योरेंस के लिए कुछ पैसे देने होते हैं, उसी तरीके से बस में भी आपको कुछ पैसे देने होते हैं. लेकिन जो लोग टिकट नहीं लेते हैं, उन लोगों को इंश्योरेंस का फायदा नहीं मिल पाता है. हादसा होने की स्थिति में सिर्फ टिकट लेने वाले यात्रियों को ही पैसा मिलता है.

अल्मोड़ा जिले में आज बस हादसा हुआ. जानें ऐसे हादसे के बाद घायल और मृतक कैसे इंश्योरेंस के पैसे ले सकते हैं.

आसमान में उड़ता अचानक खेत में आ गिरा सेना का विमान

आगरा में सेना का विमान क्रैश हो गया. विमान के जमीन पर गिरते ही आग लग गई. भारतीय वायुसेना फाइटर एयरक्राफ्ट मिग 29 दुर्घटनाग्रस्त हुआ है. गनीमत रही कि पायलट सहित दो लोगों ने कूदकर अपनी जान बचा ली. हादसे के बाद गांव में हड़कंप मच गया. विमान खाली खेतों में जाकर गिरा. थाना कागारौल क्षेत्र के गांव सोनिगा के पास खेतों में विमान गिरा.